



## EDITOR'S SCATVIEW

*Manoj Kumar Madhavan*

*It is the age of Super OTT Apps and is the current in thing trending. The current Super OTT Apps launched by various stakeholders is seeing a surge. The Cover Story on OTT Play App is an interesting case study in point.*

*The OTT market in India is currently at Rs.10,500 crore, including subscription revenues. This is expected to touch Rs.12,000 crore by FY 2024 and Rs.30,000 crore in FY 2030 with a 20 per cent growth on year-on-year basis.*

*TRAI has set itself on a path, which could spell good tidings for the beleaguered DTH sector. TRAI has floated a recommendation to do away with the licence fee for DTH operators after the end of financial year 2026-27.*

*TRAI's recent directive to DPOs to deploy certified conditional access & subscriber management systems is a good move. This will enable standardisation of CAS and SMS in the systems deployed by Distribution Platform Operators, which would enable access to only subscribed television channels to the subscribers and thereby ensuring a check on piracy.*

*The success of Indian Space Research Organisation Chandrayan 3 mission to the moon showcased the strength and capability of Indian scientists. MCBS based in Gujarat played a key and stellar role in this project. MCBS has played major role in manufacturing & supply of several complex technology-based systems which includes signal switching, routing, control, command, telemetry, up-linking/downlinking and displays all across launch complexes in SHAR. It has also been supplying laser tracking systems for Satellite Tracking to SAC (ISRO). MCBS has supplied many such systems over the past 25 years to almost all ISRO centers like SHAR complexes, LPSC, ISAC, VSSC, MCF Hassan, MCF Bhopal and many other locations.*

*MCBS has manufactured and installed more than 4 crores DTH systems and 5000 cable headend in India. A proud moment for India.*

*SCAT Trade Show 2023 is all set to open from October 8 -10, 2023 at the Jio World Convention Centre. Come and see the latest technologies on display at the Show.*

*(Manoj Kumar Madhavan)*

*यह सुपर ओटीटी ऐप्स का युग है और आजकल ट्रेंड में है। विभिन्न हितधारकों द्वारा लॉन्च किये गये वर्तमान सुपर ओटीटी ऐप्स में वृद्धि देखी जा रही है। ओटीटीप्ले ऐप्स पर कवर स्टोरी एक दिलचस्प केस स्टडी है।*

*भारत में ओटीटी बाजार वर्तमान में सब्सक्रिप्शन राजस्व सहित 10,500 करोड़ रुपये का है। साल-दर-साल आधार पर 20 प्रतिशत की वृद्धि के साथ वित्त वर्ष 2024 तक यह 12,000 करोड़ रुपये और वित्तवर्ष 2030 में 30,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है।*

*ट्राई ने खुद को एक ऐसे रास्ते पर स्थापित कर लिया है, जो संकटग्रस्त डीटीएच क्षेत्र के लिए अच्छी खबर ला सकता है। ट्राई ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की समाप्ति के बाद डीटीएच ऑपरेटरों के लिए लाइसेंस शुल्क खत्म करने की सिफारिश की है।*

*प्रमाणित कंडिशनल एक्सेस और सब्सक्राइबर मैनेजमेंट सिस्टम को तैनात करने के लिए डीपीओ को ट्राई की हालिया निर्देश एक अच्छा कदम है। इससे डिस्ट्रीब्यूशन प्लेटफॉर्म ऑपरेटरों द्वारा तैनात सिस्टम में सीएएस और एसएमएस का मानकीकरण संभव हो जायेगा, जिससे ग्राहकों को केवल सब्सक्राइब किये गये टेलीविजन चैनलों तक पहुंच मिल सकेगी और इस तरह चोरी पर रोक सुनिश्चित होगी।*

*भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के चंद्रमा पर चंद्रयान 3 मिशन की सफलता ने भारतीय वैज्ञानिकों की ताकत और क्षमता को प्रदर्शित किया है। गुजरात स्थित एमसीवीएस ने इस परियोजना में महत्वपूर्ण और उत्कृष्ट भूमिका निभायी है। एमसीवीएस ने कई जटिल प्रौद्योगिकी आधारित प्रणालियों के निर्माण और आपूर्ति में प्रमुख भूमिका निभायी है, जिसमें सिगनल स्विचिंग, रूटिंग, नियंत्रण, कमांड, टेली-मेट्री, अपलिंकिंग/डाउनलिंकिंग और एसएचएआर में सभी लॉन्च कॉम्प्लेक्स डिस्प्ले शामिल है। यह एमएसी (इसरो) को सैटेलाइट ट्रेकिंग के लिए लेजर ट्रेकिंग सिस्टम की आपूर्ति भी कर रहा है। एमसीवीएस ने पिछले 25 वर्षों में लगभग सभी इसरो केंद्रों जैसे एसएचएआर कॉम्प्लेक्स, एलपीएससी, आईएसएसी, वीएसएससी, एमसीएफ हसन, एमसीएफ भोपाल और कई स्थानों पर ऐसी कई प्रणालियों की आपूर्ति की है।*

*एमसीवीएस ने भारत में चार करोड़ से अधिक डीटीएच सिस्टम और 5000 केवल हेडएंड का निर्माण और स्थापना की है। भारत के लिए यह गौरव का क्षण है।*

*स्कैट ट्रेड शो 8 से 10 अक्टूबर 2023 के बीच जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में होने वाला है। कृपया आएं और शो में प्रदर्शित नवीनतम तकनीकों को देखें।*

*(Manoj Kumar Madhavan)*